
मनसा सेवा - 77

अव्यक्त बापदादा :- (23/10/1999)

» _ » जैसे लौकिक में कोई 8 घण्टा, कोई 10 घण्टा वर्क करते हैं, ऐसे यहाँ भी हो जायेगा। 8 घण्टे के सेवाधारी, 6 घण्टे के सेवाधारी। निरन्तर सेवाधारी नहीं बन सकेंगे। चाहे मन्सा सेवा करो, चाहे वाणी से, चाहे कर्म अर्थात् संबंध, सम्पर्क से। हर सेकण्ड दाता अर्थात् सेवाधारी।

» _ » दिमाग को खाली रखने से बाप की सेवा के साथी बन सकेंगे। दिल को सदा साफ रखने से निरन्तर बाप की सेवा के साथी बन सकते हैं। आप सबका वायदा क्या है? साथ रहेंगे, साथ चलेंगे। वायदा है ना? या आप आगे रहो हम पीछे-पीछे आयेंगे? नहीं ना? साथ का वायदा है ना? तो बाप सेवा के बिना रहता है? याद के बिना भी नहीं रहता।

» _ » जितना बाप याद में रहता उतना आप मेहनत से रहते हैं। रहते हैं लेकिन मेहनत से, अटेन्शन से। और बाप के लिए है ही क्या? परम आत्मा के लिए हैं ही आत्मायें। नम्बरवार आत्मायें तो हैं ही। सिवाए बच्चों की याद के बाप रह ही नहीं सकता। बाप बच्चों की याद के बिना रह सकता है? आप रह सकते हो? कभी-कभी नटखट हो जाते हैं।

➤➤ हर सेकण्ड दाता अर्थात् सेवाधारी

» _ » एक सेकेण्ड मे दाता बनना है

» _ » एक सेकेंड की दृष्टि से सृष्टि और दूसरा एक सेकेंड मे परमधाम जाना और आ जाना

» _ » दिमाग को खाली और दिल को साफ कर देना है

» _ » दिल को सदा साफ करने से दिमाग को खाली करने से

→ चियरफुल रहेंगे

→ एकरस रहेंगे

→ डिप्रेशन नहीं रहेगा

» _ » दिमाग को खाली दिल को साफ कर दो स्वयं द्वारा बाप द्वारा निमित्त आत्माओ द्वारा क्लीयर कर दो (Declutter the mind)

→ mind मे जो कचरा भरा है उसको declutter करना है

» _ » बाबा ने C शब्द का प्रयोग अलग अलग मुरलियों मे अलग अलग लिया है

→ Clean

→ Clear

→ Careful

→ Cheerful

→ Carefree

→ Creative

→ Cooperation

- Charity
- Contentment
- Courage
- Caring
- Combined
- Crimeproof
- Crying
- Continuity
- Communication
- Calm n coolness

»» _ »» दिमाग को खाली और दिल को सदा साफ कर दो

- Correction
- Check n change
- 4 G connectivity

»» _ »» 4G

- G - Gyan
- G - Good wishes
- G - Godly love
- G - Goal

»» _ »» दिमाग को खाली रखने से बाप की सेवा के साथी बन सकेंगे

»» _ »» दिल को सदा साफ रखने से निरन्तर बाप की सेवा के साथी बन सकते हैं

➤➤ **किन बातों से दिमाग को खाली करना है??**

»» _ »» 1. Guilt Complex

→ हमने पाप किया है हम दोषी है मन इससे इतना भारी है कि guilt से दबा हुआ है

■ वो क्या पुरुषार्थ करेगा व कैसे दूसरो को प्रेरित करेगा

→ अपराध भाव है तब तक आगे नहीं बढ़ सकता

■ स्वयं स्वयं की फीलिंग में जो guilt है उसको पकड़ लेना है

■ कोई गलती कर भी दी व उस guilt में रहते हैं तो ये उससे भी बड़ी दूसरी गलती है

→ हमें सबसे पहले स्वयं को माफ करना है

»» _ »» 2. Misunderstanding

→ misunderstanding से अपने हृदय को सच करना है

→ अपनी भावनाओं में जो misunderstanding है उसको देखना

→ फिर दूसरों को जो misunderstanding हो गई है उनको

है

क्लियर कर देना

■ अगर क्लियर न की जाए तो मिथ्या बोध बढ़ता जाता

→ अनुमान लगाते हैं कि हमको तो लगता है दूसरे समझ

जायेंगे

■ दूसरे की अपनी बुद्धि है

→ जरूरी नहीं कि हर एक की बुद्धि कुशाग्र है

→ जरूरी नहीं कि हमारे अध्यात्मिक भावों को दूसरे समझ पाए

■ अध्यात्मिक भाव बहुत सूक्ष्म है

» _ » 3. Jealously Hated and Full Attitude

→ जब तक किसी आत्मा के प्रति सूक्ष्म घृणा और बदले का भाव

है तब तक सम्पूर्ण नहीं बना जा सकता

■ इससे भी क्लियर करना है

» _ » 4. Self Victimisation

→ स्वयं स्वयं को दोषी समझना हर चीज के लिए

■ ये मेरे कारण हुआ है

→ सेवाओं में विघ्न मेरे कारण हुआ है

■ मैं ऐसा हूँ inferiority complex है

■ स्वयं के लिए बड़े विचार नहीं हैं

» _ » 5. Superiority Complex

→ ये भी एक ग्रन्थि है इस ग्रन्थि से ऊंचता का भाव होता है

■ मैं तुमसे बड़ा हूँ ये भाव

» _ » 6. Blame Game

→ ये जो हुआ इसका कारण वो व्यक्ति है

→ दूसरों को दोषी ठहराना दोषारोपण करना ये सब करना ये

ब्लेम गेम है

- अपने आप को इससे परे कर दो

- इस ड्रामा में किसी का दोष नहीं

→ मेरी परेशानी का मैं खुद ही responsible हूँ

- किसी की वजह से मुझे कुछ नहीं हो रहा

- मैं और मेरे कर्म हैं

- कर्म ही व्यक्तियों के रूप में बीमारी के रूप में कर्मभोग

बन रहे हैं।

→ सभी निर्दोष हैं ये एक संकल्प ही ब्लेम गेम से मुक्त कर

देगा

» _ » 7. Deep Attachment

→ किसी व्यक्ति से इतना लगाव है इतना लगाव है वो कोई भी हो सकता है लौकिक सम्बंधी अलौकिक सम्बंधी

- इस अलौकिक परिवार में भी किसी से कोई लेना देना

नहीं

→ सब के बीच में हैं सबके साथ हैं पर अलिप्त किसी से कोई लेना देना नहीं

→ मन की ऐसी अभिकल्प स्थिति निरविकल्प स्थिति

- सारा विश्व हमारा दोस्त है या कोई नहीं है।

» _ » 8. Waste n Negative

→ वेस्ट और नेगेटिव से मन को मुक्त होना है

- ये diagnose करना है कि मैं वेस्ट में हूँ

» _ » 9. Sorrow

→ अपने हृदय को दुख से मुक्त करना है

- कहीं न कहीं दुख का कांटा गड़ा हुआ है

- दुख का स्तोत्र कुछ भी हो सकता है

- पर है केवल एक गहरा दुख एक गहरा दुख केवल एक

» _ » 10. Depression

→ उदासी रंज दिली इस अवसाद से स्वयं को मुक्त करना है

- क्या कारण है डिप्रेशन का व क्यू है डिप्रेशन??

➤ _ ➤ कोई भी प्रोब्लम है वो आंखो के सामने स्पष्ट होनी चाहिए

➤ _ ➤ अपनी बीमारी का diagnose खुद करना है

➤ _ ➤ विकारो का स्वयं का diagnose करना है

